हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 3 फरवरी 2026

11 बौद्धिक और मानसिक विकास में बाल विवाह सबसे...

12 दताल गांव के खंडहर मकान में तेंदुए के पगमार्क मिलने से फैली सनसनी

डाक विभाग में ग्रामीण डाक सेवक भर्ती 2026: ब्रांच पोस्टमास्टर असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर और डाक सेवक के पदों को भरा जाएगा

10वीं में हैं अच्छे नंबर तो बिना परीक्षा मेरिट के आधार पर डाक विभाग में मिलेंगी नौकरी, प्रदेश में होंगे 82 पद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारत सरकार के संचार मंत्रालय के अंतर्गत डाक विभाग ने ग्रामीण डाक सेवक ऑनलाइन एंगेजमेंट शेड्यूल-वन जनवरी-2026 के तहत देशभर में बड़े पैमाने पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से ब्रांच पोस्टमास्टर, असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर और डाक सेवक के पदों को भरा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। भर्ती से जुड़ी सभी जानकारियां जैसे पदों की संख्या, योग्यता, आयु सीमा, चयन प्रक्रिया और आवेदन की तिथियां नोटिफिकेशन में स्पष्ट रूप से दी गई है। ग्रामीण डाक सेवक भर्ती डाक विभाग की एक बड़ी और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया है। बिना परीक्षा, केवल मेरिट के आधार पर चयन होने से योग्य और मेहनती विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें और आधिकारिक वेबसाइट पर समय-समय पर अपडेट देखते रहे।

आवेदन तिथियाँ और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डाक विभाग के अनुसार वन-टाइम रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 31 जनवरी से 14 फरवरी 2026 शाम पांच बजे तक चलेगी। वहीं ऑनलाइन आवेदन और शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 16 फरवरी निर्धारित की गई है। यदि किसी अभ्यर्थी से आवेदन में कोई त्रुटि हो जाती है तो उसके सुधार के लिए 18 और 19 फरवरी को दो दिन का करेक्शन विंडो भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस भर्ती अभियान के अंतर्गत तीन प्रमुख श्रेणियों में नियुक्तियां की जाएंगी। ब्रांच पोस्टमास्टर, असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर, डाक सेवक। ब्रांच पोस्टमास्टर को शाखा डाकघर के संचालन की जिम्मेदारी दी जाती है जबकि असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर और डाक सेवक को डाक वितरण, स्टाम्प बिक्री, बैंकिंग सेवाओं और अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग करते है। अधिकतर पद ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। जिससे गांवों में डाक सेवाओं को और सुदृढ़ किया जा सके।

चयन प्रक्रिया

ग्रामीण डाक सेवक भर्ती में कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी। चयन पूरी तरह दसवीं कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट से किया जाएगा। यदि अंकों में समानता होती है तो आयु, श्रेणी और लिंग के आधार पर प्राथमिकता तय की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। जिसके बाद अंतिम नियुक्ति दी जाएगी।

आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यता

आवेदन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष रखी गई है। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के रूप में उम्मीदवार का दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है जिसमें गणित और अंग्रेजी विषय शामिल हो। साथ ही संबंधित राज्य की स्थानीय भाषा का ज्ञान भी जरूरी है।

आवेदन शुल्क

आवेदन शुल्क सौ रुपये निर्धारित किया गया है। हालांकि महिला उम्मीदवारों, एससी/एसटी, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को शुल्क से पूर्ण छूट दी गई है।

प्रदेश	पदों की संख्या
आंध्र प्रदेश	1215 पद
असम (असमिया)	501 पद
असम (बंगाली)	145 पद
असम (बोडो)	6 पद
असम (हिंदी/अंग्रेजी)	3 पद
बिहार	783 पद
छत्तीसगढ़	638 पद
दिल्ली	30 पद
गुजरात	1203 पद
हरियाणा	82 पद
हिमाचल प्रदेश	331 पद
जम्मू-कश्मीर	255 पद
झारखंड	822 पद
कर्नाटक	1135 पद
केरल	1385 पद
मध्य प्रदेश	1314 पद
महाराष्ट्र (कोंकणी/मराठी)	25 पद
महाराष्ट्र (मराठी)	1473 पद
पूर्वोत्तर (बंगाली/कॉकबोरोक)	118 पद
पूर्वोत्तर (हिंदी/अंग्रेजी)	587 पद
पूर्वोत्तर (हिंदी/अंग्रेजी/गारो)	66 पद
पूर्वोत्तर (हिंदी/अंग्रेजी/खासी)	117 पद
पूर्वोत्तर (मणिपुरी)	301 पद
पूर्वोत्तर (मिजो)	71 पद
ओडिशा	1101 पद
पंजाब (हिंदी/अंग्रेजी)	8 पद
पंजाब (पंजाबी)	392 पद
तमिलनाडु	2292 पद
उत्तर प्रदेश	3004 पद
उत्तराखंड	568 पद
पश्चिम बंगाल (बंगाली)	869 पद
पश्चिम बंगाल (नेपाली)	7 पद
पश्चिम बंगाल (भूटिया/लेपचा/नेपाली/अंग्रेजी)	18 पद
पश्चिम बंगाल (हिंदी/अंग्रेजी)	15 पद
पश्चिम बंगाल (नेपाली)	14 पद
तेलंगाना	519 पद

पुरानी रंजिश को लेकर किया हमला

झाड़ली में व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

उपमंडल के गांव झाड़ली में रविवार रात्रि करीब साढ़े आठ बजे पुरानी रंजिश को लेकर एक गुट के सदस्यों ने दूसरे गुट के एक व्यक्ति पर सरेआम पर हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। जिसने पीजीआईएमएस रोहतक में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जहां सोमवार को पुलिस की ओर से शव का पीजीआईएमएस रोहतक में पोस्टमार्टम कराया गया। सोमवार सुबह डीएसपी दिनेश कुमार, थाना इंचार्ज निरीक्षक देवेंद्र सिंह सहित पुलिस के विशेष दस्ते व सीन ऑफ क्राइम टीम ने मौका निरीक्षण कर छानबीन की। उन्होंने कहा कि परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जिसके आधार पर केस दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

■ डीएसपी और थानाध्यक्ष दलबल सहित मौके पर पहुंचे

मृतक की पहचान अनिल कुमार उर्फ बिल्लू

कनीना। निरीक्षण करते डीएसपी दिनेश कुमार व थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह व (इनसेट में) मृतक अनिल।

50 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपितों ने उस समय घटना को अंजाम दिया जब अनिल कुमार गांव में ही आयोजित एक कुआं पूजन के दावत समारोह में हिस्सा लेने गया था। जिसकी पीट पीटकर कर बुरी हालत कर दी। घायल को उप नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसे पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया। जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर सदर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्काल जांच कार्रवाई में जुट गई। पुलिस जांच में सामने आया कि अनिल उर्फ बिल्लू का गांव के ही राजकुमार व विनोद से किसी बात को लेकर विवाद था, जो झगड़े में बदल गया। व्यक्ति की मौत की खबर मिलते ही गांव ने सन्नाटा छा गया। वहीं परिवार में कोहराम मच गया। सोमवार दिनभर गांव की गलियां सुनसान दिखाई दी।

बताया जा रहा है कि मृतक अनिल और आरोपित राजकुमार व विनोद के बीच पिछले करीब 10 वर्षों से आपसी रंजिश चली आ रही है। जानकारी के अनुसार करीब छह माह पूर्व भी मृतक अनिल व राजकुमार तथा विनोद में मारपीट हुई थी। जिसमें अनिल ने उनको चोट मारी थी। इस घटना के बाद से ही दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। उसी पुरानी रंजिश के चलते बीती रात घटना घटित हुई। फिलहाल डीएसपी ने पूरे मामले पर नजर बना रखी है, गांव में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पहले भी सुर्खियों में रहा है गांव

बता दें कि झाड़ली गांव पहले भी सुर्खियों में रहा है। जहां करीब छह वर्ष पूर्व भी झाड़ली गांव में आपसी पारिवारिक विवाद में भारतीय थल सेना में कार्यरत फौजी की पीट पीटकर हत्या कर दी थी। इससे पूर्व गांव के तत्कालीन सरपंच पर फायरिंग की गई थी, जो बाल-बाल बच निकला था।

क्या कहते हैं डीएसपी

डीएसपी दिनेश कुमार ने कहा कि कानून को हाथ में लेने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नजर रखी जा रही है। सदर थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह ने बताया कि हत्या में शामिल आरोपितों को जल्द ही काबू कर लिया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से 26 साल के युवक की मौत

नारनौल। बीती रात को जोरासी एवं बसीरपुर के मध्य पटरियों को पार करते वक्त एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मांडोला से गांव बसीरपुर में अपनी बहन के यहां आया हुआ था। इस हादसे से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। करीब 26 वर्षीय जयप्रकाश वासी गांव मांडोला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इसकी सूचना रात को ही जीआरपी नारनौल के पास पहुंची, जिस पर पुलिस शीघ्रता से घटनास्थल पर पहुंची। तब तक जयप्रकाश की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने रात को ही आवश्यक कार्रवाई कर शव की शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन तब उसक पहचान नहीं हो सकी, जिस पर डैडबॉडी को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस ने मृतक से कुछ दूर एक मोटरसाइकिल पड़ी देखी, जिसके आधार पर उसकी पहचान की कोशिश की तो कामयाबी मिल गई तथा परिजनों को सूचित किया। परिजनों ने बयान दिए हैं कि जयप्रकाश अपनी बहन से मिलने के लिए गांव बसीरपुर आया हुआ था और जब वह पटरियां पार कर रहा था, तब अचानक ट्रेन आने पर वह उसकी चपेट में आ गया। मृतक अविवाहित था। जीआरपी के इंस्पेक्टर कैलाश शर्मा ने बताया कि फिलहाल इत्तेफाक हादसे की कार्रवाई करते हुए जांच लंबित रखी गई है। उन्होंने बताया कि रात को रेवाड़ी से फुलेरा की ओर जाने वाली ट्रेन की चपेट में आने से यह घटना हुई। अब रेल के ड्राइवर के बयान लेने उपरांत स्पष्ट हो पाएगा कि हकीकत क्या है।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
3 फरवरी 2026

सहेली

जब मानव जीवन मिला है तो इसे मूल्यवान समझें। बेशकीमती जीवन व्यर्थ ना जाने दें। हम इस बात को समझें कि जीवन मिला है तो दुखों का अंधेरा छाएगा ही, इससे हताश-निराश ना हों। यह ना भूलें कि सुबह का उजियारा नई आशाएं लेकर आएगा, सफल जीवन की राह बनाएगा। इस राह में हमारी जीवनशैली कैसी हो, जिससे जिंदगी आसान और खूबसूरत बने, जानिए।

भरपूर जिएं और बनाएं अपनी जिंदगी खूबसूरत

कवर स्टोरी
प्रतिभा अग्निहोत्री

प्रसिद्ध लेखक पी. वी. अखिलन ने अपनी पुस्तक 'चित्रप्रिया' में एक जगह लिखा है, 'अपनी जिंदगी का हर पल खूबसूरत बनाने का प्रयास करें। यदि सुंदर न बना सके तो कम से कम जैसी है, वैसी तो रहने दें।' जी हां, जब ईश्वर ने हमें मानव जीवन दिया है तो इसे व्यर्थ की चिंताओं, परेशानियों, तनाव और परस्पर वैमनस्य में ना गंवाएं। जिंदगी को रोते-बिलखते जीने से क्या फायदा? हमें यह समझना चाहिए, जीवन कभी भी एक जैसा नहीं रहता। इसमें सुख-दुःख आते-जाते रहते हैं। इसलिए जब इस संसार में जन्म लिया है तो जीवन का भरपूर आनंद लेते हुए परेशानियों-संकटों का समझदारी से सामना करें, इससे उबरें, इन पर विजय हासिल करें।

तनाव से बनाएं दूरी: जब भी आप तनाव में हों, प्रकृति के बीच जाएं। किसी पार्क में जाकर वहां फूल-पत्तियों को देखें कि कैसे वे धूप, बारिश, सर्दी, आंधी-तूफान सहकर भी खिले रहते हैं, मुस्कुराते रहते हैं। कली से बने फूलों को प्रकृति कैसे एक नाजुक बच्चे की तरह अपनी सुरक्षा देती है। एक बार ध्यान से प्रकृति की हर कृति को देखें। यकीन मानिए, आप दंग रह जाएंगी कि किस प्रकार एक मां के आंचल की भांति प्रकृति ने कलियों से बने फूल, फिर फल की सुरक्षा की है।

हमेशा सकारात्मक रहें: परेशानियां हर किसी के जीवन में आती हैं। कुछ उनका सामना हंसकर करते हैं तो कुछ जरा-सी परेशानी में घबरा जाते हैं, परेशान हो जाते हैं। जीवन का नाम ही संघर्ष है, परंतु परेशानियों से घबराकर भागना, ठीक नहीं है। संसार में हर समस्या का समाधान है। बस धैर्य, साहस और समझदारी से काम लेने की आवश्यकता होती है।

मित्र बनाएं

अकेलापन कई बार डिप्रेशन, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों को जन्म देता है। अपनी कुछ सहेलियां अवश्य बनाएं। सुबह या शाम जब भी पार्क में टहलने जाएं, वहां आई महिलाओं से दोस्ती करें। इनसे कुछ अपनी कहें, कुछ उनकी सुनें। उनके साथ अपने सुख-दुःख साझा करें, इससे आपका मन हल्का होगा। आपको एक संबल मिलेगा।

छोटी-छोटी खुशियां सेलिब्रेट करें: जीवन चलने का नाम है। कभी परेशानियों का घना अंधेरा आपको घेर लेगा, तो कभी प्रातः उगे सूरज की किरणें नई आशाओं का संचार करेंगी। सुख और दुःख तो जीवन के दो पहलू हैं, इससे आपको प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है। सुख है तो दुःख भी आएगा, यह तो धूप-छांव का खेल है। आप धैर्य के साथ प्रत्येक स्थिति का सामना करें। सुख में बहुत अधिक खुश न हों, दुःख में बहुत अधिक दुःखी ना हों। जो भी आपके पास अच्छा है, उसे सहेजें और सोचें कि ये सब अन्य लोगों के पास कितना है। बहुत ज्यादा पाने की उत्कंठा ना पालें, जो भी आपके पास है, उसमें संतोष करें। यही सुखी जीवन का सूत्र है।

व्यस्त रहें-मस्त रहें: कहा जाता है 'व्यस्त रहें, मस्त रहें' क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। स्वयं को हर हाल में व्यस्त रखें। यदि आप वर्किंग हैं, ऑफिस के बाद कुछ समय आपके पास खाली रहता है तो उसमें अपने अधूरे शौकों को पूरा करें, जैसे म्यूजिक, डांसिंग, पेंटिंग या फिर राइटिंग जो भी आपकी पसंद का काम हो उसे करें और व्यस्त रहें। इससे आपको एक अलग ही खुशी मिलेगी, आप ऊर्जावान रहेंगी।

मन का करें: कई बार हम दूसरों को लेटेस्ट फैशन की ड्रेस पहने देखकर, डांस फ्लोर पर खुलकर डांस करते देखकर या बिंदास तरीके से जीते देखकर खुद भी वैसा जीवन जीने की सोचते हैं, लेकिन हमारे अंदर का संकोच ऐसा करने से रोक देता है। आपका जो भी करने का मन करे, खुलकर करें। हमेशा याद रखें, जो करना है, इसी जीवन में करना है। मन की अपनी किसी तमन्ना को मारे नहीं। लोग क्या कहेंगे, सोचकर अपनी ख्वाहिशों को दबाएं नहीं। अपनी जिंदगी अपने ढंग से जिएं, भरपूर जिएं और खुश रहें।

भूलना सीखें: कई बार किसी नाते-रिश्तेदार या मित्र-परिचित का व्यवहार मन को अंदर तक आहत कर देता है, इससे मन व्यथित हो उठता है। उस व्यवहार या बात को मन में पाले न रखें। जो हुआ, उसे भूल जाएं, मतलब 'बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि ले' के सिद्धांत पर चलें। इससे आपको मानसिक शांति तो मिलेगी ही, साथ ही सामने वाले के प्रति मन में बैठी कड़वाहट भी खत्म होगी और रिश्तों में फिर से मिठास घुलेगी।

जीवन को अनुभव करें: आप मनुष्य हैं, अपने इस मनुष्य जीवन को अनुभव करें। इस बात को मानें कि आप पृथ्वी पर जन्म लेने वाले समस्त प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ हैं। आपको ईश्वर ने पृथ्वी पर मनुष्य का 'महान जीवन' जीने के लिए भेजा है, इसे व्यर्थ के कार्यों में जाया ना करें। इसे परिवार, समाज, देश और मानव कल्याण में लगाएं। इस बारे में सीनियर काउंसलर कीर्ति वर्मा कहती हैं, 'जिंदगी एक बार मिली है, इसके हर रंग को हंसते-खेलते जिएं, पूरा आनंद उठाएं, आपको एक अलग तरह का सुकून मिलेगा, खुशी मिलेगी।'

जब हां कहने से बढ़े बोझ तब ना कहना है जरूरी

लोगों की मदद करना, कोई बुरी बात नहीं है। लेकिन जब लोग आपकी इस आदत का फायदा उठाते हुए आप पर कामों का बोझ डालने लगेंगे तो आपके पास अपने लिए समय नहीं रहेगा। लगातार काम करते हुए आप तनाव से घिर सकती हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए भी सही नहीं। इसलिए हर किसी के काम के लिए हां मत कहिए।

एडवाइस
अनीता जैन

हममें से कई लोग दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इस सोच के कारण हर काम के लिए 'हां' कह देते हैं। हमें लगता है, 'ना' कहने से सामने वाला बुरा मान जाएगा या हमें गलत समझेगा। लेकिन हर बार अपनी इच्छा और सुविधा को नजरअंदाज कर दूसरों की बात मानना, धीरे-धीरे हमारे मन, समय और आत्म-सम्मान को नुकसान पहुंचाने लगता है। इससे तनाव, थकावट और मन में असंतोष बढ़ता है। हमें इससे बचना चाहिए।

हर किसी की बात पूरी करना जरूरी नहीं: हमारा यह समझना जरूरी है कि आज के व्यस्त जीवन में हर किसी की बात को पूरा करना जरूरी नहीं है। यदि सामने वाले को हमारी मदद की सच में जरूरत है तो हम सहानुभूति के साथ 'हां' कह सकते हैं। लेकिन अगर उसकी जरूरत केवल औपचारिक या दबावपूर्ण है, तो विनम्रता और स्पष्टता से 'ना' कहना बेहतर है। सही समय पर समझदारी से 'ना' कहना हमारे जीवन में संतुलन और मानसिक शांति बनाए रखने में मदद करता है।

बार-बार 'हां' बढ़ाता है तनाव: हर बार दूसरों की बात मानना भले ही तुरंत ठीक लगे, लेकिन लंबे समय में यह आदत हमें मानसिक और शारीरिक रूप से थका देती है। ऑफिस में जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारी लेना, किसी रिश्ते में अपनी मर्जी के खिलाफ काम करना या सामाजिक आयोजनों में थकावट के बावजूद जाना, ये सभी बातें धीरे-धीरे हमारे भीतर चिड़चिड़ापन, असंतोष और तनाव पैदा करती हैं। ऐसे में खुद के लिए समय निकालना भी मुश्किल हो जाता है।

मना करना समझदारी भरा कदम: 'ना' कहना असभ्यता नहीं है, बल्कि यह एक समझदारी भरा कदम है। जब कोई काम हमारे समय, सुविधा या मानसिक स्थिति के अनुकूल न हो, तो उसे मना करना हमारी जिम्मेदारी है। ऐसा करना यह दिखाता है कि हम अपनी सीमाओं और जरूरतों को समझते हैं। साथ ही साथ यह दूसरों को भी सिखाता है कि हर बार आपसे 'हां' की उम्मीद न करें।

समय बचाने में मदद करता है 'ना': हम सबके पास समय सीमित है। अगर हम हर बात पर 'हां' कहेंगे, तो अपने जरूरी काम और आराम के लिए वक्त नहीं बचेगा। सोच-समझकर 'ना' कहने से हम अपनी ऊर्जा और ध्यान उन कामों में लगा सकते हैं, जो हमारे लिए वाकई जरूरी हैं। यह आदत हमें बेहतर समय प्रबंधन, मानसिक स्पष्टता और संतुलन देती है।

विनम्रता से कहें 'ना': कुछ लोग ना कहने में बहुत संकोच करते हैं। ऐसे लोगों के लिए जरूरी है वे अपने स्वभाव-व्यवहार में बदलाव लाएं। ऐसे लोग सबसे पहले अपनी प्राथमिकताएं तय करें। किसी काम का अनुरोध मानने से पहले सोचें कि क्या वह काम आपके समय या मानसिक स्थिति के अनुकूल है। अगर नहीं, तो विनम्रता से मना करना सही होगा। जैसे कहें, 'मैं आपकी बात समझती हूं, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए संभव नहीं है।' इससे रिश्तों में कटुता नहीं आती।

गिल्ट महसूस न करें: खुद के लिए सीमाएं तय करना कोई अपराध नहीं। 'ना' कहना, दरअसल आत्म-देखभाल का ही एक हिस्सा है, न कि असंवेदनशीलता।

तुरंत जवाब न दें: अगर किसी निर्णय को लेकर आप उलझन में हैं, तो समय लेकर सोचें। कहें, 'मैं इस पर सोचकर बताऊंगी।' यह आपको बिना दबाव के सही फैसला लेने में मदद करेगा।

सबको खुश करने की आदत छोड़ें: यह समझें कि आप हर किसी को खुश नहीं कर सकतीं। सीमाएं बनाना और उन्हें साफ तरीके से बताना आत्मबल की निशानी है।

हर साल फरवरी-मार्च में जैसे-जैसे बच्चों के फाइनल एग्जाम्स करीब आने लगते हैं, वैसे ही बच्चों ही नहीं उनके पैरेंट्स का भी तनाव बढ़ने लगता है। ऐसे में पैरेंट्स को बहुत समझदारी से बच्चों की केयर और गाइड करना चाहिए, जिससे बच्चा टेंशनफ्री होकर एग्जाम दे सके।

बच्चों की ही नहीं ये आपकी भी परीक्षा का समय है

प्रिपरेशन
मनोज अग्निहोत्री

अब से कुछ ही दिनों बाद बच्चों के फाइनल एग्जाम शुरू होने वाले हैं। इन दिनों कई घरों में बच्चों से अधिक उनके माता-पिता एग्जाम को लेकर तनाव में दिख रहे हैं। उन्हें हर समय यही चिंता लगी रहती है कि बच्चा सही ढंग से पढ़ाई कर पा रहा है या नहीं। अपनी इसी सोच के चलते, पैरेंट्स बच्चे को बार-बार टोकते हैं। इससे बच्चा बहुत ज्यादा स्ट्रेस में आ जाता है। पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता। ऐसे में अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यह समय बच्चों का सपोर्ट सिस्टम बनने का होता है, न कि आलोचक बनने का।

तुलना करेगी आहत: किसी बच्चे की अपने बच्चे से तुलना न करे। इस प्रकार की तुलनात्मक बातें बच्चे को मानसिक रूप से आहत और अपमानित करती हैं, क्योंकि जिस प्रकार अपनी रसोई में आपका काम करने का अपना तरीका होता है, उसी प्रकार हर बच्चे का भी अपनी पढ़ाई का एक तरीका, योग्यता और क्षमता होती है, वह उसी के अनुसार अपना अध्ययन करता है।

ताना न मारें: 'तुम कुछ नहीं कर सकते, भगवान जाने तुम्हारा क्या होगा?' 'हम तुम्हारी हर जरूरत को पूरा करते हैं और एक तुम हो कि इसके बदले में ढंग से पढ़ाई तक नहीं कर सकती हो।' ऐसे ताने या कटुवचन अपने बच्चे से बिल्कुल न बोलें। ध्यान रखिए, वर्तमान समय में अंकों की अधिकता किसी भी अच्छे स्कूल में एडमिशन होना सुनिश्चित नहीं करता और न ही एक कक्षा के अधिक मार्क्स से बच्चे का जीवन बनता-बिगड़ता है। हां इस प्रकार के वाक्यों से आप अपने और बच्चे के मध्य एक दूरी अवश्य बना लेते हैं।

भावनात्मक सपोर्ट दें

अकसर इन दिनों में बच्चे अपने कोर्स को लेकर घबरा जाते हैं, वे एग्जाम फोबिया से ग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए तो किसी लायक नहीं समझे जाएंगे। ऐसे में आपका दायित्व है कि आप उन्हें समझाएं कि उनके मार्क्स कम आएं या अधिक, आप हर हाल में उनके साथ हैं। समय निकालकर आप उनसे पढ़ाई के अलावा अन्य विषयों पर हल्की-फुल्की बातें करें, ताकि आप उनके मन की बातों को पढ़कर सही मार्गदर्शन दे सकें।

रखें स्वस्थ पारिवारिक माहौल: कई परिवारों में पति-पत्नी आपस में लड़ते-झगड़ते रहते हैं या फिर मेहमानों का आवागमन होता रहता है। ऐसे में बच्चे के लिए पढ़ाई कर पाना मुश्किल हो जाता है। इस समय आवश्यक है कि आप अपने बच्चे को घर में एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करें, ताकि वह बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई कर सके। घर के वातावरण को सरल और सहज रखें ताकि बच्चा भी परीक्षा को हौव्वा न समझकर, सहज प्रक्रिया समझे।

डाइट है बहुत महत्वपूर्ण: एग्जाम के दिनों में अपने बच्चे की डाइट का विशेष ध्यान रखें। उसे पौष्टिक भोजन दें। फास्ट फूड के स्थान पर ताजे फलों का जूस, मेवे और हरी सब्जियां खाने को दें।

मददगार बनें: जब परीक्षा एकदम सिर पर होती है तो कुछ बच्चे घबरा जाते हैं कि कैसे पढ़ें, पढ़ाई के क्या तरीके अपनाएं या फिर कैसे रिवीजन करें? ऐसे में बच्चों को स्वयं गाइड करें या किसी परिचित शिक्षक से मदद लेने को कहें।

(सीनियर साइकोलॉजिस्ट निधि तिवारी से की गई बातचीत पर आधारित)

जैसी हो आपकी स्किन टोन वैसा ही चुनें परफेक्ट लिपस्टिक शेड

मेकअप
ललिता गोयल

लिपस्टिक लगाना लगभग सभी महिलाओं को अच्छा लगता है। इससे उनकी फेस ब्यूटी निखर उठती है। लेकिन कुछ महिलाएं इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं कि उनकी स्किन टोन के अनुसार लिपस्टिक का कौन-सा शेड उन्हें सूट करेगा? स्किन टोन के अनुसार सही शेड की लिपस्टिक आपके लुक को बदल सकती है और पूरा लुक इंस्टेंट अपग्रेड हो जाता है। वहीं गलत शेड की लिपस्टिक से लुक निखरकर सामने नहीं आता क्योंकि जहां कुछ कलर लुक को डल दिखाते हैं, वहीं कुछ ज्यादा ही लाउड लगते हैं। जैसे अगर किसी का स्किन टोन मीडियम-फेयर है, तो उन पर काफी शेड्स अच्छे लगते हैं, लेकिन हर शेड उन पर नहीं जंचता। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए परफेक्ट लिप शेड को चुनें। ये जरूरी नहीं कि लिपस्टिक का हर कलर हर किसी को सूट करे। इसके लिए स्किन कॉम्प्लेक्शन पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं, स्किन टोन के हिसाब से कैसे किया जाए परफेक्ट लिपस्टिक शेड का सेलेक्शन।

फेयर स्किन टोन: अगर आपकी त्वचा गोरी रंगत वाली यानी आपका स्किन टोन फेयर है तो आपके लिप्स पर कोरल, वाइन रेड, लाइट पर्पल पीच, चेरी रेड या न्यूड पिंक शेड की लिपस्टिक बहुत अच्छी लगेंगी। फेयर स्किन टोन वाली महिलाएं, बोल्ड लुक के लिए मोव या मोका शेड भी ट्राई कर सकती हैं। लेकिन उन्हें डार्क पिंक, ब्लड रेड और बहुत ज्यादा शिमर या ग्लॉसी लुक वाले लिपस्टिक के शेड्स से बचना चाहिए।

व्हीटिश स्किन टोन: गेहुंआ रंगत यानी व्हीटिश स्किन टोन वाली महिलाओं को न्यूड शेड्स की लिपस्टिक लगाने से बचना चाहिए क्योंकि यह उनके चेहरे की रंगत को फीका कर सकते हैं। ऐसी स्किन टोन पर ब्राउन कलर के शेड्स परफेक्ट लगते हैं। इसके अलावा इस स्किन टोन वाली महिलाएं डार्क पिंक, ब्लड रेड, ब्रोज, राइप ऑरेंज, सिनामन कलर भी चुन सकती हैं। इन कलर के लिपस्टिक शेड्स चेहरे पर ताजगी और चमक लाते हैं। इसके साथ ही पूरे लुक को निखारते हैं।

डार्क स्किन टोन: अगर आपकी रंगत दबी हुई यानी सांवली (डार्क स्किन टोन) है तो आपको लिपस्टिक में मैट लिपस्टिक के ब्रिक रेड, ब्राउनिश रेड, कैरेमल कलर, कॉफी कलर ट्राय करने चाहिए। ये शेड उन्हें काफी सूट करते हैं। इस स्किन टोन वालों को ग्लॉसी लिपस्टिक से बचना चाहिए क्योंकि ये उनकी रंगत को और अधिक डार्क दिखाते हैं। अगर किसी का स्किन टोन ज्यादा डार्क है तो उन्हें ब्राउन, रेड, पर्पल कलर के शेड्स को चुनना चाहिए।

(मेकअप आर्टिस्ट रेनू महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस

अलग-अलग वजहों से महिलाओं में विभिन्न कैंसर हो सकते हैं। लेकिन अगर शुरुआती लक्षणों को पहचान लिया जाए, तो कैंसर का ट्रीटमेंट संभव है। वर्ल्ड कैंसर डे, 4 फरवरी पर विभिन्न तरह के कैंसरों के लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में जानिए।

रहें अवेयर-पहचानें लक्षण कैंसर से होगा बचाव

बीते कुछ वर्षों में महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, ओवेरियन कैंसर, एंडोमेट्रियल (यूटेरस) और कोलन कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि सही लाइफस्टाइल, बैलेंस्ड डाइट और समय-समय पर जांच से इन कैंसरों के रिस्क को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कैंसर के शुरुआती संकेत: महिलाओं में होने वाले अधिकतर कैंसर की पहचान शुरुआती लक्षणों से ही की जा सकती है। इस बारे में एक्शन कैंसर हॉस्पिटल, दिल्ली में डायरेक्टर-गायने ऑन्कोलॉजी, **डॉ. बुचुन कुमारी मिश्रा** बताती हैं, 'ब्रेस्ट कैंसर में स्तन में गांठ महसूस होना, स्तन के आकार या रंग में बदलाव, निप्पल का अंदर धंसना या निप्पल से किसी तरह का असामान्य डिस्चार्ज आना शुरुआती संकेत हो सकते हैं। वहीं सर्वाइकल कैंसर में पीरियड्स के अलावा बार-बार ब्लीडिंग होना, इंटरकोर्स के बाद रक्तस्राव या असामान्य वेजाइनल डिस्चार्ज को गंभीरता से लेना जरूरी है। ओवेरियन कैंसर के लक्षण अकसर सामान्य पेट की समस्या समझ लिए जाते हैं, जैसे लगातार पेट फूलना, निचले पेट में दर्द, जल्दी पेट भर जाना या बिना वजह वजन बढ़ना। इसी तरह एंडोमेट्रियल कैंसर में मेनोपॉज के बाद किसी भी तरह की ब्लीडिंग होना खतरे का संकेत माना जाता है। जबकि कोलन कैंसर में लंबे समय तक कब्ज रहना, स्टूल में खून आना, बार-बार थकान महसूस होना या खून की कमी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इनमें से किसी भी तरह के असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराना बेहद जरूरी है।'

लाइफस्टाइल हो सही: हेल्दी लाइफस्टाइल, कैंसर से बचाव का कारगर उपाय है। महिलाओं को रोजाना कम से कम 30 से 40 मिनट वॉक, योगाभ्यास या किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। वजन को कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही धूम्रपान और शराब से पूरी तरह दूरी बनाना चाहिए। हार्मोन से जुड़ी या गर्भनिरोधक दवाओं का लंबे समय तक बिना डॉक्टर की सलाह के सेवन से बचना चाहिए। यह हार्मफुल हो सकता है।

न्यूट्रिशस डाइट: महिलाओं को डाइट में हरी सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली, पत्ता गोभी जरूर शामिल करनी चाहिए। इसके साथ ही पपीता, सेब, अनार और बेरीज जैसे फल इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। दलिया, ओट्स और दालों जैसे फाइबर युक्त आहार पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं और कोलन कैंसर के खतरे को कम करते हैं। हल्दी, लहसुन और अदरक में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर को अंदर से सुरक्षित रखते हैं।

जरूरी टेस्ट: कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका रेग्युलर स्क्रीनिंग और समय पर जांच है, क्योंकि इससे बीमारी को शुरुआती स्टेज में ही पकड़ा जा सकता है। इस बारे में, रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर की कंसल्टेंट-गायने ऑन्कोलॉजी, **डॉ. सहाना पुन्नेशेट्टी** डिटेल में बताती हैं, ब्रेस्ट कैंसर को पहचानने के लिए 20 साल की उम्र के बाद हर महिला को महीने में एक बार सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन करना चाहिए, ताकि किसी भी तरह की गांठ या बदलाव को समय रहते पहचाना जा सके। वहीं 40 साल की उम्र के बाद डॉक्टर की सलाह से मैमोग्राफी कराना बेहद जरूरी हो जाता है। सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए 25 साल की उम्र के बाद नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराना चाहिए। वहीं कोलन कैंसर से बचाव के लिए स्टूल टेस्ट किया जाता है। एचपीवी वैक्सीन, सर्वाइकल कैंसर से बचाव में कारगर है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

खबर संक्षेप

सुंदरकांड पाठ का आयोजन आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को सुंदरकांड पाठ का आयोजन मोहल्ला मिश्रवाड़ा में अशोक मिश्रा, हिमांशु मिश्रा के निवास स्थान पर किया जाएगा। मंडल के सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

डुलाना में प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

महेंद्रगढ़। जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को गांव डुलाना स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एसडीएम कनिका गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि डीसी कैप्टन मनोज कुमार रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद करेंगे। एसडीएम ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशों की अनुपालन जिला प्रशासन की ओर से प्रभावी ढंग से की जा रही है।

कैलाश बस्ती में हिंदू सम्मेलन 8 को

नारनौल। हिंदू जागरण एवं सामाजिक एकता को सशक्त करने के उद्देश्य से आठ फरवरी को कैलाश बस्ती के तत्वावधान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सह संयोजक नरोत्तम सोनी ने बताया कि इस संदर्भ में आयोजन समिति की बैठक में कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की गई। यह सम्मेलन अपार मैरिज हॉल में प्रातः 10 बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित होगा।

लूटपाट करने वाले 2 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गांव थनवास में घर में घुसकर मारपीट करने व सामान लूटने के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस संबंध में कार्रवाई करते हुए दो आरोपित सचिन व मोनू निवासी थनवास को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पीड़ित हरिराम निवासी थनवास ने पुलिस को शिकायत दी थी कि रात को आरोपित जबरन उसकी बैठक का दरवाजा खुलवाकर अंदर दाखिल हुए। आरोपितों ने लोहे की रॉड जिस पर चक्का वेल्ड किया हुआ था, जिससे उस पर जानलेवा हमला किया, जिसके कारण उसे गंभीर चोटें आई और टांके लगे। आरोपित मौके से एक एलईडी टीवी, कपड़े और नकदी लेकर फरार हो गए थे।

महेंद्रगढ़ की पलक गुप्ता बनी डॉक्टर

महेंद्रगढ़। विधानसभा अध्यक्ष सौभाग्य गुप्ता की पुत्री पलक गुप्ता ने चिकित्सा के क्षेत्र में सफलता का परचम लहराकर डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की है। इस बड़ी उपलब्धि से न केवल गुप्ता परिवार बल्कि पूरे जिले के वैश्य समाज में खुशी का माहौल है। अग्रवाल वैश्य समाज जिला महेंद्रगढ़ के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला और युवा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि गर्ग (मोनू भाटा) ने बेटी की सफलता पर परिवार को बधाई दी। जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने कहा कि आज हमारी बेटियां अपनी मेहनत से समाज का नाम रोशन कर रही हैं।

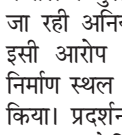

मंजू चौधरी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बौद्धिक और मानसिक विकास में बाल विवाह सबसे बड़ी रुकावट: विधायक

गांवों में सेमिनार लगाकर ग्रामीणों को जागरूक करेगी सामाजिक संस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। जागरूकता रथ को रवाना करती विधायक मंजू चौधरी।

सोसायटी फॉर एजुकेशन एंड वैलफेयर एक्टिविटीज के तत्वावधान में बाल विवाह मुक्त भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विधायक मंजू चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया तथा युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को मिटाने में सामुदायिक सहभागिता देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में नाटक व भाषणों के माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभावों का वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह समाज के समग्र विकास में सबसे बड़ी रूकावट बनी हुई। कम उम्र में विवाह बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। विशेषकर किशोर अवस्था में पढ़ाई और व्यक्तित्व निर्माण के समय विवाह हो जाने से बच्चों का भविष्य सीमित दायरे में सिमट जाता है, क्योंकि स्कूल व कॉलेज की पढ़ाई अधूरी छूटने का अंदेशा बढ़ जाता है। जिससे उनकी सोच, निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास का विकास नहीं हो पाता। बौद्धिक विकास रुकने से वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भूमिका निभाने में असमर्थ रह जाते हैं। शारीरिक दृष्टि से भी बाल विवाह अत्यंत नुकसानदेह है। कम उम्र में शादी होने से बालिकाओं में कुपोषण, एनीमिया, हार्मोन असंतुलन व प्रसव संबंधी जटिलताओं की समस्या बढ़ जाती है। इसके अलावा बाल विवाह गरीबी, अशिक्षा और लैंगिक असमानता को बढ़ावा देता है। बाल वधुओं पर घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ जल्दी डाल दिया जाता है, जिससे उनका बचपन और आत्मनिर्भर बनने का अवसर छिन जाता है। मानसिक तनाव, अवसाद व घरेलू हिंसा जैसी समस्याएं भी इसी कुप्रथा से जुड़ी हुई हैं।

मुहिम शुरू

विधायक ने कहा कि सरकार ने बाल विवाह निषेध अधिनियम सहित संशोधित कानून लागू करके सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाने की योजना बनाई है। साथ ही सामुदायिक सहयोग से बाल विवाह पर नियंत्रण करने की मुहिम शुरू की है। इसके लिए संस्था ने 100 दिन जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस साहसिक मुहिम से युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को जड़ से खत्म करने का संदेश मिलेगा। कार्यक्रम में गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने नाटकों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर संस्था के संचालक गणेश कुमार, जगदेव शर्मा, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक। *फोटो: हरिभूमि*

अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित

आरपीएस विद्यालय में बच्चों की प्रगति व भविष्य पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय में रविवार को प्राथमिक एवं मिडल विभाग के विद्यार्थियों के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों की शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा की। विद्यालय चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने शिक्षा में त्रिकोणीय संबंध शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। ग्रुप सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि पीटीएम एक ऐसा सेतु है, जहां हम मिलकर बच्चे की क्षमताओं और उसकी चुनौतियों को समझते हैं। हमारा लक्ष्य केवल अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संस्कारवान नागरिक तैयार करना है।

डिप्टी सीईओ ने कहा की अभिभावको का सहयोग ही विद्यालय की असली शक्ति है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाना आवश्यक है। डॉ. तिवारी ने स्पष्ट किया कि प्राथमिक व मिडल विभाग बच्चे की नींव रखने वाले होते हैं। इस पीटीएम के माध्यम से शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत प्रगति रिपोर्ट साझा की है।

बीआर ज्ञानदीप स्कूल बना ओवरऑल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

कनीना में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कानूनी साक्षरता कार्यक्रम में बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित वाद-विवाद, कविता, भाषण, स्लोगन एवं नाटक जैसी विभिन्न प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर विद्यालय चेयरमैन रूपराम यादव एवं प्रधानाचार्य रामबीर यादव ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

विजेताओं का विद्यालय में किया स्वागत

प्रतियोगिता से विजयी होकर विद्यालय लौटने पर विद्यार्थियों का फूल-माला से स्वागत किया गया। चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि हमारे बच्चे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। यह सफलता पूरे विद्यालय स्टाफ की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

प्रतियोगिता की सशक्त तैयारी करवाने में कृष्ण, ईशु, संदीप तथा संगीत व्यवस्था में सहयोग देने वाले शिक्षकों का विशेष योगदान रहा, जिनका विद्यालय प्रशासन द्वारा धन्यवाद व्यक्त किया गया।

व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन

नारनौल। मुख्यमंत्री प्रदेश के युवाओं को कुशल व आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को ध्येय मानते हुएए रोजगार विभाग की ओर से पूरे राज्य में व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय की ओर से दो से छह फरवरी तक जिले के विभिन्न विद्यालयों औव महाविद्यालयों में इस विशेष सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरूआत सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय से हुई। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य आरपी सिंह ने जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत व अन्य वक्ताओं का स्वागत किया। जिला रोजगार अधिकारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए सही समय पर अपने भविष्य का लक्ष्य निर्धारित करना अत्यंत आवश्यक है।

बीआर स्कूल में हुआ पीटीएम कार्यक्रम

- अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में पीटीएम प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि दिल्ली की प्रसिद्ध ट्रेनर एवं काउंसलर तरुणा तंवर, अध्यक्षता विद्यालय चेयरमैन हरिश भारद्वाज एवं प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। तरुणा तंवर ने अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की परवरिश से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों से नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनना चाहिए तथा पढ़ाई के साथ-साथ उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

महेंद्रगढ़। अभिभावकों को संबोधित करती ट्रेनर तरुणा तंवर। *फोटो: हरिभूमि*

बच्चों को संस्कारवान बनाना उद्देश्य

चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि बच्चों को संस्कारवान, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने अभिभावकों से नियमित संवाद बनाए रखने और बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। स्टेज संचालन दीपा ने किया। इस मौके पर विंग हेड कपिल शर्मा, बिजेंद्र यादव, कल्पना तंवर, पूनम यादव सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

महेंद्रगढ़। विद्यालय में परीक्षा देने आए विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

कपिल स्कूल में हुई स्कॉलरशिप परीक्षा

महेंद्रगढ़। स्थानीय कपिल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में महेंद्रगढ़ शहर व उसके आसपास के गांव के बच्चों ने भाग लिया। विद्यार्थी विद्यालय की व्यवस्था, सुंदर भवन, लैब, खेल मैदान, पार्क आदि को देखकर बड़े खुश हुए। अध्यक्ष महेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि हमारा उद्देश्य मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनके सर्वांगीण विकास करना है, ताकि वह आगे चलकर समाज में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सके। उन्होंने इस परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए प्राचार्य करण सिंह, उपप्राचार्य पवन कुमार व समस्त स्टाफ का आभार जताया है।

विभागीय योजनाओं के बारे में करें जागरूक

- कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित सेमिनार में ग्राम सचिव व पंचायत प्रतिनिधियों को दी विभागीय योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

एसडीएम कनिका गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को राजकीय महाविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में विभिन्न विभागों द्वारा सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में शामिल विभागों द्वारा उनके माध्यम से केंद्र व हरियाणा सरकार द्वारा जनहित में चलाई गई योजनाओं व सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि जिला के विभिन्न विभागों के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई है। विभागीय योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए सोमवार को स्थानीय कॉलेज ऑडिटोरियम में एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम सचिवों व पंचायत प्रतिनिधियों को योजनाओं बारे विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वो लोग अपने अपने गांव में ग्रामीणों को भी योजनाओं की जानकारी दे सकें।

महेंद्रगढ़। योजनाओं की जानकारी देती एसडीएम। *फोटो: हरिभूमि*

योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया

एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि आमतौर पर देखने में आया है कि गांव के लोगों को सरकार की योजनाओं की पूरी जानकारी न होने के कारण जरूरतमंद लोग योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए इस सेमिनार के माध्यम से ग्राम सचिवों व पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूक किया गया है, ताकि वो ग्रामीणों को भी सरकार की योजनाओं बारे जागरूक कर सकें। सेमिनार में जिला समाज एवं कल्याण विभाग से सुरेंद्र यादव ने प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई लाडो लक्ष्मी योजना व विभाग के तहत चल रही अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसी प्रकार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एसडीओ मनमीत यादव ने विभाग के तहत चल रही एग्री टेक पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी और किसानों को जल्द से जल्द पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाने की अपील की।

संत शिरोमणि रविदास की झांकियां निकाल मानवता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

अंबेडकर सेवा समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह प्रधान ईश्वर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें युवाओं को नशाखोरी पर अंकुश लगाने व सामाजिक कुरीतियों के खात्मे में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महंत ठाकुर दास ने संत रविदास की जीवनी का उल्लेख करने के बाद शहर में झांकियों को हरी झंडी दिखाई तथा सामाजिक समरसता व मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संतों की जाति, धर्म या समाज विशेष नहीं होता। उन्होंने समस्त पृथ्वी का कल्याण करने के लिए तपस्या की और आमजन के हितार्थ काम किया है। संत रविदास ने समाज में फैली छुआछात, सती प्रथा, नशाखोरी तथा महिला सम्मान के लिए संघर्ष किया था। उनके सिद्धांतों से समाज को मानवसेवा की प्रेरणा मिलती रहेगी। इसके बाद उन्होंने सावित्री बाई फुले, डॉ भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले की जीवनी पर आधारित झांकियों को रवाना किया। मंच का संचालन डॉ. अमर सिंह मेहरानिया ने किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान दलीप कुमार, महेश कुमार, बिशंबर दयाल, डॉ. रतिराम, दलीप खंडेलवाल, इंद्रजीत सिंह, जगदीप, बिक्रम चौधरी, संदीप कुमार, विनोद आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। झांकी यात्रा में तलवारबाजी का करतब दिखाते कलाकार।

मुख्य जवाहर लाल नेहरू कनाल के पुलों के निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही

अनियमितताओं के खिलाफ किसानों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

धनौन्दा से मोहनपुर तक बनाई जा रही पक्की सड़क पर धनौन्दा पंप हाउस से निकलने वाली खेड़ी डिस्ट्रीब्यूट्री, बवाना डिस्ट्रीब्यूट्री व मुख्य जवाहर लाल नेहरू कनाल के पुलों के निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितताओं का आरोप है। इसी आरोप के खिलाफ किसानों ने निर्माण स्थल पर एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व बसपा नेता अतरलाल ने किया।

इसमें धनौन्दा, खरकड़ा बास, उन्हाणी, चेलावास, मोहनपुर गांव के सैकड़ों किसानों ने भाग लेकर ठेकेदार व निर्माण एजेंसी से पुलों का निर्माण ठीक तथा बेहतर ढंग से करने की मांग की।

नारनौल। बसपा नेता अतरलाल के नेतृत्व में प्रदर्शन करते किसान। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मीरसिंह वैद्य, किशनपाल, मुकेश सिंह, सतेन्द्र, यशपाल, इन्द्रजीत, नितेश, अंश, दिनेश पंच, रामबीर पंच, कप्तान ओमपाल सिंह, कलेक्टर सिंह, कप्तान सीताराम, राजेश, परमसिंह राघव, सुभाष, जीतपाल, हनुमान, लखन, रविन्द्र, महेन्द्र आदि किसान उपस्थित थे।

बसपा नेता को सौंपा ज्ञापन

इस दौरान किसानों ने अपने मांगों से सम्बन्धित ज्ञापन उपमंडल अधिकारी कनीना के नाम ज्ञापन बसपा नेता अतरलाल को सौंपा। ज्ञापन में खेड़ी डिस्ट्रीब्यूट्री, बवाना डिस्ट्रीब्यूट्री व मुख्य कनाल के तीनों पुलों की सड़क के बीच में खड़े तीन कीकर के पेड़ व एक बिजली का खंभा को हटाने, पुलों की रिटेनिंग वाल की लंबाई बढ़ाने, पुलों के तीनों रेंपो का भरत करके सीधी सड़क बनाने तथा पुलों के ऊपर से गुजर रही 33 केवी की बिजली की लाइनों को ऊपर उठाने की मांगे की। किसानों ने उपमंडल अधिकारी नागरिक से तत्काल निर्माण स्थल का निरीक्षण कर उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि चार दिन के अंदर उनकी मांगों का संज्ञान लेकर कार्रवाई नहीं की गई, तो आगे निर्माण कार्य नहीं करने देंगे। अतरलाल ने किसानों की मांगों को जायज बताते हुए ज्ञापन को तत्काल उपमंडल अधिकारी नागरिक कनीना को भेजने का आश्वासन दिया।

तीरंदाजी में डीएवी ने लहराया परचम

- बाल भवन में हुई ओपन जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

बाल भवन में ओपन जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों से बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में एमएलएस डीएवी के आठ विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा 19 मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। जिसमें वंश ने कंपाउंड राउंड अंडर 13 कैटेगरी में स्वर्ण, अंडर 15 व अंडर 18 में रजत, सीनियर टीम में कांस्य व जूनियर बॉयज टीम में कांस्य पदक प्राप्त किया। जय यादव ने कंपाउंड राउंड में अंडर 15 व अंडर 18 कैटेगरी में स्वर्ण, सीनियर टीम में रजत व जूनियर टीम में कांस्य पदक प्राप्त किया। गौरांश ने कंपाउंड राउंड अंडर 13 कैटेगरी में रजत पदक प्राप्त किया।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे विजेता

मन्नू जांगड़ा ने कंपाउंड राउंड में अंडर 18 कैटेगरी में कांस्य, सीनियर टीम में कांस्य व जूनियर कैटेगरी में कांस्य पदक प्राप्त किया। पर्व शर्मा से इंडियन राउंड में अंडर 18 व अंडर 15 कैटेगरी में रजत पदक प्राप्त किए। भव्य शर्मा ने अंडर पांच कैटेगरी में रजत पदक प्राप्त किया। पुनीत ने कंपाउंड राउंड सीनियर टीम में कांस्य पदक प्राप्त किया। लम्हा ने इंडियन राउंड में अंडर 15 कैटेगरी के रजत, अंडर 18 में कांस्य व जूनियर कैटेगरी में कांस्य पदक प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

चंदपुरा पहुंचे बसपा प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर

मंडी अटेली। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डा. कृष्ण जमालपुर अटेली के बसपा महासचिव तुषार तायल के भतीजे चीकू के नामकरण संस्कार कार्यक्रम में चंदपुरा पहुंचे। इस मौके पर उनके साथ विधानसभा अटेली के पूर्व प्रत्याशी बसपा एडवोकेट अतर लाल, जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया, विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्र रामबास, जिला सचिव एडवोकेट कर्णसिंह शास्त्री, विधानसभा प्रभारी सुभाष उर्फ रिंकू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अश्विनी बौद्ध सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कनीना नपा को 6 विकास कार्यों की मिली मंजूरी

कनीना। नगर पालिका क्षेत्र में जिला योजना के तहत छह विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। जिन पर शीघ्र ही कार्य शुरू होने की संभावना है। इस बारे में नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि वार्ड नम्बर एक की चौपाल में टीनशेड का कार्य करवाया जाएगा। इसी प्रकार होली वाला जोहड़ पर वाकिंग टेक, वार्ड आठ में स्थित अनुसूचित जाति चैपाल की मरम्मत, वार्ड 10 में स्थित शहीद अशोक कुमार पार्क का जीर्णोद्धार कार्य, वार्ड चार में चंदा मामा ट्यूबवेल पार्क का जीर्णोद्धार तथा वार्ड छह में दो वाटर कूलर स्थापित किए जाएंगे।

महेंद्रगढ़ में इनेलो युवा सम्मेलन कल

नारनौल। इंडियन नेशनल लोक दल का युवा सम्मेलन चार फरवरी सुबह 11 बजे जिला प्रधान सुरेन्द्र कौशिक के महेंद्रगढ़ स्थित निवास पर होगा। जिला प्रवक्ता नवनीत सिंह ढिल्लो ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि आईएसओ राष्ट्रीय प्रभारी एवं रानिया से विधायक अर्जुन सिंह चौटाला और विशिष्ट अतिथि के तौर पर युवा प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी होंगे। अध्यक्षता जिला युवा प्रधान दीपक यादव करेंगे।

अग्रवाल वैश्य समाज की बैठक 7 मार्च को

नारनौल। अग्रवाल वैश्य समाज की प्रदेश स्तरीय आम सभा की बैठक सात मार्च को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि वृंदावन के दिल्ली श्रीधाम रुक्मणी विहार में आयोजित की जाएगी। अग्रवाल वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अध्यक्षता में आम सभा का आयोजन समाज की एकता, वैचारिक चिंतन व भविष्य की दिशा तय करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कानूनगो एसोसिएशन ने दिया धरना

कनीना। बीते समय प्रदेश सरकार की ओर से कार्य में अनियमितताएं बरतने के चलते निलंबित किए भू राजस्व विभाग के छह पटवारियों को बहाल करने की मांग को लेकर तहसील के सभी पटवारी व कानूनगो सोमवार को सांकेतिक हड़ताल पर रहे। पटवार कानूनगो एसोसिएशन के प्रधान पटवारी शमशेर सिंह ने बताया कि पटवारियों को बहाल करने की मांगकी है।

मारपीट में दो महिलाओं सहित चार पर केस

कनीना। गुढ़ा गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुए झगड़े में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं सहित चार व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित सज्जन सिंह ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह नवंबर माह में कोर्ट जा रहा था, तो रास्ते में उसके साझे के प्लाट में निर्माण कार्य किया जा रहा था। हर्ष व मास्टर संतोष उसे घसीट कर खुदाई की हुई नींव के पास लेकर गए और पटक दिया। जहां उसके साथ हर्ष, संतोष, मनोज व रेवती ने मारपीट की।

आईजी कुलदीप सिंह ने किया दौरा
पुलिस बल की तैयारी व कार्यक्षमता का बारीकी से लिया जायजा

जिले में लगे कैमरों का नियमित हो ऑडिट, पेट्रोल पंप, बैंक और एटीएम के बाहर लगें सीसीटीवी

⏭ पुलिस लाइन नारनौल में दंगा नियंत्रण रिहर्सल परखने के साथ अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कानून एवं व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) आईजी कुलदीप सिंह ने नारनौल का दौरा किया। पुलिस लाइन पहुंचने पर बैशाख बागी आईपीएस, डीएसपी भारत भूषण, डीएसपी सुरेश कुमार और डीएसपी दिनेश कुमार ने उनका स्वागत किया। इस दौरान आईजी ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैयारियों और कार्यक्षमता का बारीकी से जायजा लिया। आईजी लॉ एंड ऑर्डर कुलदीप सिंह ने जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति की गहन समीक्षा की। अपने निरीक्षण के दौरान आईजी कुलदीप सिंह ने सबसे पहले दंगा नियंत्रण के लिए गठित विशेष कंपनियों की जांच की। उन्होंने जवानों की मुस्तैदी परखने के लिए मौके पर ही दंगा नियंत्रण गतिविधियों की रिहर्सल करवाई। इस प्रक्रिया में एक कृत्रिम दीवार का निर्माण कर पथराव जैसी विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। साथ ही, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न प्रकार की पुलिस फॉर्मेशन का भी अभ्यास कराया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस बल प्रभावी कार्रवाई कर सके।

नारनौल। निरीक्षण करते आईसी कुलदीप सिंह।

5 बिंदुओं पर आइजी ने की चर्चा

मैदानी निरीक्षण के बाद आईजी ने पुलिस लाइन स्थित मीटिंग हॉल में सभी थाना प्रभारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। जिसमें मुख्य रूप से पांच बिंदुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने जिले के सीलिंग प्लान के बारे में जानकारी ली और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। सीसीटीवी कैमरों की उपयोगिता पर जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में लगे कैमरों का नियमित ऑडिट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीवीआर को सुरक्षित व गुप्त स्थान पर रखा जाए। कैमरों की टाइमिंग रियल टाइम होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कैमरे विशेषकर पेट्रोल पंप, बैंक और एटीएम के बाहर लगे कैमरे, उनके उपकरण, चालू हालत में हों और उनमें रिकॉर्डिंग हो रही हो। इसके अतिरिक्त, आईजी ने गुमशुदगी (मिसिंग पर्सन) के मामलों को लेकर अधिकारियों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को बिल्कुल भी हल्के में न लिया जाए और पुलिस पूरी तरह अलर्ट रहकर कार्रवाई करे। बैठक के अंत में पुलिस कल्याण पर चर्चा करते हुए उन्होंने पुलिस कर्मचारियों के नियमानुसार साप्ताहिक विश्राम (वीकली रेस्ट) और छुट्टियों को लेकर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने बेहतर और सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों के रिवॉर्ड को लेकर चर्चा की।

अच्छे कार्य करने वाले पुलिस कर्मी होंगे पुरस्कृत

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें व असामाजिक गतिविधि पर तुरंत प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अपराध नियंत्रण के लिए लगाए जाने वाले सीलिंग प्लान, गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश, अच्छे कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत करने, पेट्रोलिंग व्यवस्था, जिले में लगे सभी सीसीटीवी व कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली एवं आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर पर तैयार रहना आवश्यक है। उप–पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस मुख्यालय की तरफ से जारी सभी निर्देशों की कड़ाई से पालना की जा रही है। गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश हेतु जिला स्तर पर एक टीम का गठन किया गया है। बैठक में बैशाख बागी आईपीएस, डीएसपी भारत भूषण, डीएसपी सुरेश कुमार, डीएसपी दिनेश कुमार सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। इस बैठक का उद्देश्य जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को सुनिश्चित करते हुए और अधिक मजबूत करना था।

फोरेस्ट व जीव जंतु विभाग की टीम के चौथे दिन भी हाथ खाली

दत्ताल गांव के खंडहर मकान में तेंदुए के पगमार्क मिलने से फैली सनसनी

- तेंदुआ के खंडहर मकानों में छुपने की आशंका
- पहाड़ के साथ लगती बस्ती में जानलेवा हादसे का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

दत्ताल गांव में बीते पांच दिनों से तेंदुए का खौफ बना हुआ है, लेकिन वन विभाग की लचर कार्यप्रणाली के चलते हालात और भी भयावह होते जा रहे हैं। सोमवार को विभाग की ओर से चलाए गए सर्च अभियान के दौरान एसपी बस्ती के एक खंडहर मकान में तेंदुए के पगमार्क मिलने से यह स्पष्ट हो गया कि खतरनाक वन्यजीव आबादी क्षेत्र में सक्रिय है। इसके बावजूद विभाग व जिला प्रशासन गंभीर नहीं जिस कारण ग्रामीणों को जानलेवा खतरा बना हुआ है। आक्रोशित लोगों ने हिंसक जानवर को जल्द पकड़ने की गुहार लगाई है।

ग्रामीणों ने बताया कि पांच दिन पहले तेंदुआ पंचायत घर की तरफ रास्ते पर दिखाई दिया था। एक गाड़ी चालक ने हिंसक जानवर की वीडियो क्लिप बनाकर सोशल मीडिया में वायरल की थी, जिसे फोरेस्ट विभाग के अधिकारी को भेजकर बचाव की गुहार लगाई थी। सूचना पाकर रेंज अधिकारी रजनीश यादव ने टीम सहित मौका निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को अलर्ट रहने का संदेश देकर चले गए। इसके अगले दिन बनिहाड़ी के नजदीक एक टैंक पर तेंदुआ के पगमार्क होने की पुष्टि हुई।

लोगों की भीड़ को देखकर तेंदुआ सरसों के खेतों में ओझल हो गया तथा अगले दिन अल सुबह स्कूल के पीछे पहाड़ की तलहटी पर देखा गया। भयभीत ग्रामीणों ने तेंदुए की बदलती मुवमेंट से विभाग को अवगत कराया।

इसके बाद फोरेस्ट विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन खाली हाथ वापस लौट गई। पहाड़ के नजदीक एक खंडहर मकान है, जिसका इस्तेमाल पशु बांधने में किया जाता है। सोमवार की सुबह मकान में तेंदुए के पगमार्क दिखाई दिए।

नांगल चौधरी। खंडहर मकान में तेंदुए के पगमार्क देखते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रेतीली जमीन पर भी तेंदुए के पदचिह्न मिले

उन्होंने तुरंत सरपंच जिलेसिंह, पंचायत समिति चेयरमैन कर्मपाल यादव को सूचना दी। उन्हें जानकारी देते हुए मकान मालिक ने बताया कि सुबह आठ बजे मकान में झाड़े लगाई गई थी, इसके बाद के पगमार्क हैं। ऐसे में उन्होंने करीब 10 बजे हिंसक जानवर ने मकान में एंट्री की है। इसके अलावा पहाड़ के पास रेतीली जमीन पर भी तेंदुए के पदचिह्न मिलने की पुष्टि हुई है। जिससे विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया। इसके बावजूद विभाग ने न तो पर्याप्त संख्या में कर्मचारी तैनात किए, न ही पिंजरे लगाए गए और न ही ड्रोन या कैमरों के जरिए निगरानी की व्यवस्था की गई।

विभागीय टीम हिंसक जानवर को सर्च करने में जुटी

फोरेस्ट विभाग के रेंज अधिकारी रजनीश यादव ने बताया कि दत्ताल गांव की आवसीय आबादी के खंडहर मकान में तेंदुए के पगमार्क मिले हैं। इसके अलावा अन्य कई प्वाइंटों पर भी पदचिह्न मिल चुके है, जिसके आधार पर विभागीय टीम हिंसक जानवर को सर्च करने में जुटी है। मौका स्थिति से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया, जल्द ही तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा।

विभाग और जिला प्रशासन गंभीर नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बीते पांच दिनों से तेंदुआ देखा जा रहा है। बावजूद विभाग ने अभी तक बचाव के पुख्ता प्रबंध नहीं किए। जिस कारण हिंसक जानवर सोमवार की सुबह करीब 10 बजे आबादी क्षेत्र तक पहुंच गया। उन्होंने बताया कि रैकी के बाद हिंसक जानवर रात को हमला कर सकता है। भयभीत लोगों को घरों से बाहर निकलने में भी डर लगने लगा है। उन्होंने विभाग की उदासनीता पर आक्रोश व्यक्त किया।

हकेंवि के संकाय सदस्य और शोधकर्ताओं को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शोध और नवाचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार तथा उनके शोधार्थी सलोनी बंसल और काजल सिंह को एक पेटेंट प्रदान किया गया है। विवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा तथा कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने डॉ. अमित कुमार और उनके शोधार्थियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रो. टंकेशवर कुमार ने शोध दल के समर्पित प्रयासों की सराहना की और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध और नवाचार को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, जिससे विश्वविद्यालय के बढ़ते शोध पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान हो सके। होटलों में अतिथि स्वागत के लिए रियल-टाइम डिजिटल हॉस्पिटैलिटी डिस्प्ले डिवाइस शीर्षक वाला यह पेटेंट एक उन्नत डिजिटल हॉस्पिटैलिटी डिस्प्ले प्रणाली के विकास पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य होटलों में अतिथि अनुभव को बेहतर बनाना है। यह पेटेंटेड डिवाइस एक स्मार्ट डिजिटल स्क्रीन के रूप में परिकल्पित है, जिसे होटल लॉबी, रिसेप्शन क्षेत्र के पास या अतिथि कक्षों के भीतर स्थापित किया जा सकता है।

महेंद्रगढ़। शोधकर्ता कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के साथ। फोटो : हरिभूमि

परीक्षा तिथियों में बदलाव अब 2 दिन होगी परीक्षा

- सीबीएसई ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा फरवरी 2026 परीक्षा तिथियों में किया बदलाव

नारनौल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा फरवरी परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण सार्वजनिक सूचना जारी की है। बोर्ड द्वारा पहले जारी नोटिस के अनुसार केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का 21वां संस्करण आठ फरवरी (रविवार) को आयोजित होना था, लेकिन अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के कारण अब यह परीक्षा दो दिन आयोजित की जाएगी।

अब केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा परीक्षा सात और आठ फरवरी (शनिवार व रविवार) को देशभर के 140 शहरों में कराई जाएगी। दोनों दिनों में परीक्षा दो पारियों में आयोजित होगी। पेपर-2 की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, जबकि पेपर-1 की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक होगी। प्रत्येक पेपर की अवधि दो घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है। बोर्ड ने सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अपने एडमिट कार्ड पर अंकित तिथि, समय और परीक्षा केंद्र की जानकारी ध्यानपूर्वक जांच ले।

पटीकरा में कलशयात्रा निकाली

नारनौल। पटीकरा गांव में आयोजित प्रथम विराट पंचकुंडीय श्रीरुद्र महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर श्याम मंदिर से यज्ञ स्थल श्री तेजादास आश्रम पटीकरा तक भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत यज्ञाचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री व अन्य वेदपाठी ब्राह्मणों ने स्वस्तिवाचन, संकल्प व वरुण सूक्त के पाठ के साथ की। इसके उपरांत विधिवत रूप से कलशों का पूजन संपन्न हुआ। महंत नंदकिशोर दास महाराज की अगुवाई में कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं ने पवित्र कलश लेकर कर ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते हुए शोभायात्रा को भव्य रूप प्रदान किया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और वातावरण भक्तिमय हो गया। यज्ञाचार्य निर्मल शास्त्री ने बताया कि इस मनोकामना पूर्ति महायज्ञ में कलश धारण करने से श्रद्धालुओं को अनंत पुण्य फल की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि मंगलवार से विधिवत रूप से यज्ञ की आहुतियां प्रारंभ की जाएंगी।

बुजुर्ग परमानंद दिवान साइबर ठगी के शिकार

नारनौल। बुजुर्ग समाजसेवी एवं नर नारायण सेवा समिति संस्थापक परमानंद दिवान के साथ साइबर धोखाधड़ी के शिकार हो गए हैं। जानकारी के अनुसार परमानंद दिवान ने बैंक में खाते खोले हुए हैं, उस खाते में अनजान व्यक्ति ने गत 22 नवंबर 2025 को 8900 रुपये तथा दूसरे अकाउंट में 10 हजार रुपये का 23 नवंबर 2025 को साइबर फ्राड कर दिया। फ्राड करने वाले ने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताकर एकाउंट की डिटेल मांग थी और संबंधित अकाउंट से उक्त राशि निकलवा ली। पीड़ति ने साईबर थाना में गत 24 नवंबर को शिकायत दर्ज करवाई थी, लेकिन अब तक अब तक एफआईआर लिखने के अतिरिक्त अन्य कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

रामबास में फायरिंग व जानलेवा हमले के मामले में पांच आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना सदर पुलिस ने गांव रामबास में हुई फायरिंग, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रविन्द्र वासी रामबास, सचिन वासी सुरानी, पवन वासी सराय बहादुर, गुलाब वासी सराय बहादुर हाल आबाद लक्ष्मी नगर रेवाड़ी, दीपक वासी सराय बहादुर के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि इस मामले के संबंध में एक फरवरी को गांव रामबास निवासी विरेन्द्र सिंह ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह सुरेन्द्र की मील के पास बैठा था, तो उसने तीन गाड़ियों में 15 से 20 लड़कों को देखा। कुछ देर बाद जब वह अपने घर पहुंचा, तो वहां दो गाड़ियां खड़ी थी और 10 लड़के उसके घर वालों के साथ गाली गलौज कर रहे थे। शिकायतकर्ता के पहुंचते ही आरोपितों ने उसे पकड़ लिया और गले पर पिस्तौल रखकर धमकी दी कि अगर वह खेत में घुसा तो उसे जान से मार देंगे। शोर सुनकर लोग एकत्रित हुए, तो आरोपितों ने दहशत फैलाने के लिए फायर कर दिए और शिकायतकर्ता के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर जान से मारने की कोशिश भी की।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

मौके से खोल बरामद

सूचना मिलते ही थाना सदर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मौके से खोल बरामद कर जब्त कर लिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं व आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्परता से छापेमारी की और पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

शिविर में 56 नागरिकों ने रखी समस्याएं

नारनौल। नागरिकों की समस्याएं सुनते सीटीएम डॉ. मंगल सेन। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। जनसमस्याओं के समाधान के लिए लघु सचिवालय स्थित मीटिंग हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने की। इस मौके पर 56 नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। समाधान शिविर के दौरान परिवार पहचान पत्र से संबंधित शिकायतों का मौके पर डेस्क लगाकर निपटारा किया गया। इस अवसर पर नगराधीश ने कहा कि परिवार पहचान पत्र वास्तविक लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार हर सोमवार व वीरवार को प्रत्येक उपमंडल में समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है। इसका मकसद आम नागरिकों की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करना है। इस मौके पर आईपीएस वैशाख बागी, डीएसपी सुरेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

सांसद की मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद हरकत में आया विभाग, सीएम से फंड जारी करने का कर चुके अनुरोध

जेरपुर-पाली अंडरपास बनने की जगी उम्मीद, मिट्टी के सैंपल लिए

महेंद्रगढ़। मिट्टी के सैंपल लेते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

तीन दर्जन से भी अधिक गांवों को सुविधा प्रदान करने वाले जेरपुर-पाली अंडरपास के निर्माण की उम्मीद अब जग गई है। एक दर्जन से भी अधिक गांवों की पंचायतों ने पिछले साल सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात कर इस रेलवे अंडरपास के निर्माण की मांग की थी। सांसद धर्मबीर सिंह ने रेलवे की तरफ से इस अंडरपास की टेक्नीकल स्वीकृति प्रदान करवा दी थी। उसके बाद सांसद धर्मबीर सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसके निर्माण के लिए बजट जारी करने की मांग की थी। लंबे समय तक ये मामला ठंडे बस्ते में लटका रहा था। पिछले महीने 10 जनवरी को दिल्ली के हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री के साथ हुई मीटिंग में एक बार फिर इस मुद्दे को उठाया तथा हरियाणा के आगामी बजट में अंडरपास के निर्माण के लिए बजट के प्रावधान की मांग की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के एक प्रथम दृष्टया ऐस्टिमेट की कापी भी सौंपी तथा लगभग 10.5 करोड़ के बजट की मांग रख दी। मुख्यमंत्री के साथ हुई मीटिंग का असर अब लोक निर्माण विभाग में देखने को मिला है। विभाग की तरफ से इसके सही एवं पूर्ण रूप से टेक्नीकल ऐस्टिमेट बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभाग ने इसके लिए मृदा टेस्टिंग की एक लैब से सैंपल इक्कठे करवाए गए हैं।

तीन दर्जन से भी अधिक गांवों को मिलेगी सुविधा

विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि यदि हरियाणा सरकार इसके लिए आगामी बजट में ही फंड का प्रावधान कर देती है तो इस अंडरपास के निर्माण का कार्य बहुत जल्द शुरू हो जाएगा। इस अंडरपास के निर्माण से तीन दर्जन से भी अधिक गांवों के लोगों को सुविधा मिलेगी। इसके निर्माण से आवाजाही में ना सिर्फ उनके समय की बचत होगी, बल्कि आर्थिक बोझ में भी कमी आएगी। संदीप मालड़ा ने बताया कि अटेली विधानसभा के भी लगभग आधा दर्जन गांवों के लोगों को सतनाली पिलानी की तरफ आने-जाने में इस अंडरपास के निर्माण के बाद सुविधा हो जाएगी।